Cadaver Organ Donor Parimal M. Bhagat

Surti teacher's heart now beats in 14-year-old girl from UAE

Melvyn.Reggie.Thomas
@timesgroup.com

Surat: Organs of a teacher who died recently have given a new lease of life to three persons, including a 14-year-old girl from the United Arab Emirates (UAE).

Parimal Mukjibhai Bhagat, 41, used to teach at the Nagar Prathamik Shikshan Samiti School, which is run by the Surat Municipal Corporation (SMC).

The heart of Bhagat was airlifted to Chennai's Fortis Malar Hospital, some 1,600km away from the city, in [illegible] minutes on Saturday and transplanted in the body of Khadija Ah[illegible] Obaidalah, a teenage girl who was suffering from heart ailment since long.

The relatives of Parimal Bhagat were convinced by an NGO to donate his organs

Bhagat complained of severe headache in the wee hours of March 8. Bhagat's wife Jagruti applied an ointment to ease his pain. He was supposed to leave the house at around 7am for his job at Nagar Prathamik School number [illegible] at Kosad. That day he did not wake up till 9am. His parents tried to wake him up, but he did not respond. Bhagat was immediately shifted to BAPS Hospital at around 10.30am. The CT scan and other reports suggested he had a severe brain haemorrhage and there was blood clotting. Bhagat was declared brain dead on March 9 by a team of doctors at BAPS Hospital.

BAPS Hospital contacted the team of Donate Life. The team members met Jagruti and convinced her to donate Bhagat's organs to give a new lease of life to sick people in need of them. Donate Life members started a search for patients matching the Bhagat's profile for heart transplant. They contacted many hospitals and transplant centres in Mumbai and Ahmedabad. They also contacted the National Organ and Tissue Transplant Organisation.

Khadija's name was registered at the Fortis Malar Hospital for heart transplant. Bhagat's kidneys have been transplanted in the bodies of two patients at the Institute of Kidney Diseases and Research Centre in Ahmedabad.

■ सूरत के परिमल का दिल यूएई की खादीजा में धड़केगा ■

गुजरात से पहली बार तमिलनाडु ले जाकर हार्ट ट्रांसप्लांट

ब्रेन डेड पति के अंगों का दान के निर्णय से तीन को नई जिंदगी मिली

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

सूरत. ब्रेनडेड व्यक्ति का हार्ट शनिवार को सूरत से 16 15 किलोमीटर दूर तमिलनाडु ले जाकर ट्रांसप्लांट किया गया। इस तरह का यह पहला मामला है, जब गुजरात से किसी ब्रेनडेड व्यक्ति का हार्ट तमिलनाडु ले जाया गया हो। हार्ट दान के निर्णय से अब सूरत के परिमल भगत का दिल यूएई की 14 साल की किशोरी खादीजा अब्दुल्ला ओबैदल्ला में धड़केगा।

डोनेट लाइफ के प्रमुख नीलेश मांडलेवाला ने बताया कि जहांगीरपुरा की श्रीधर सोसायटी निवासी और नगर प्राथमिक स्कूल की शिक्षिका जागृति भगत के पति परिमल ने 2 मार्च की सुबह पत्नी से सिर में दर्द की शिकायत की और सो गए, लेकिन जब कुछ देर बाद उन्हें जगाने की कोशिश की तो वह नहीं उठे। परिजनों ने उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती करवाया। सीटी स्कैन की रिपोर्ट में उनके दिमाग की नसें फटने की जानकारी सामने आई। शुक्रवार को चिकित्सकों ने उन्हें ब्रेनडेड घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों से मुलाकात कर उन्हें अंगदान के लिए समझाया तो परिजन अंगदान के लिए तैयार हो गए। इसके बाद किडनी और लीवर के दान के लिए अहमदाबाद के इंस्टीट्यूट ऑफ किडनी डिसीज एण्ड रिसर्च सेंटर और हार्ट के दान के लिए चेन्नई की फोर्टिस मलार अस्पताल की चिकित्सा टीम शनिवार तड़के चेन्नई से सूरत पहुंची और परिमल के हार्ट का दान स्वीकार कर सुबह आठ बजे चेन्नई जाने के लिए रवाना हुई। 135 मिनट में टीम चेन्नई पहुंच गई और हार्ट यूएई निवासी 14 वर्षीय खादीजा अब्दुल्ला ओबैदल्ला में ट्रांसप्लांट किया गया।

भारतीय मरीज न मिलने से विदेशी में ट्रांसप्लांट

नीलेश मांडलेवाला ने बताया कि हार्ट डोनेट के बाद चार घंटे में वह ट्रांसप्लांट हो जाना चाहिए, इस लिए परिमलभाई के परिजनों के अंगदान के निर्णय के बाद पहले उन्होंने अहमदाबाद के स्टर्लिंग अस्पताल और सीआईएमएस अस्पताल से संपर्क किया, लेकिन वहां हार्ट ट्रांसप्लांट का मरीज उपलब्ध नहीं था। इसके बाद मुंबई जेडटीसीसी के ट्रांसप्लांट को-ऑर्डिनेटर उर्मिला से संपर्क किया, लेकिन वहां भी मरीज नहीं होने की जानकारी मिली तो आखिर नेशनल ऑर्गन एण्ड टीशू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन के निदेशक डॉ.विमल भंडारी से संपर्क किया गया। उन्होंने भी दिल्ली में ए पॉजिटिव ब्लडग्रुप का मरीज नहीं होना बताया। बाद में तमिलनाडु के नेशनल नेटवर्क ऑफ ऑर्गन शेयरिंग को-ऑर्डिनेटर अंजना से संपर्क किया गया। अंजना ने बताया कि वहां हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए भारतीय मरीज नहीं है, लेकिन यूएई की निवासी एक 14 साल की किशोरी चेन्नई के फोर्टिस मलार अस्पताल में भर्ती है। सभी के प्रयासों के बाद नोटो के निदेशक ने इसके लिए मंजूरी दे दी और हार्ट खादीजा में ट्रांसप्लांट किया गया।

प्रशासन का सहयोग

सूरत से हार्ट ले जाकर तमिलनाडु में ट्रांसप्लांट करने में स्थानीय पुलिस प्रशासन और एयरपोर्ट अथॉरिटी तथा चिकित्सकों का सहयोग रहा। नाइट लैन्डिंग और टेक ऑफ की सुविधा नहीं होने के बावजूद तड़के साढ़े तीन बजे सूरत एयरपोर्ट अथॉरिटी के निदेशक प्रमोदकुमार ने लैन्डिंग की मंजूरी दी।

गुजरात से पहली बार तमिलनाडु ले जाकर हार्ट ट्रांसप्लांट

सूरत के परिमल का दिल यूएई की खादीजा में धड़केगा

ब्रेन डेड पति के अंगों का दान के निर्णय से तीन को नई जिंदगी मिली, 155 मिनट में हार्ट लेकर पहुंची टीम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
[illegible]

सूरत. ब्रेनडेड व्यक्ति का हार्ट शनिवार को सूरत से 1615 किलोमीटर दूर तमिलनाडु ले जाकर ट्रांसप्लांट किया गया। इस तरह का यह पहला मामला है, जब गुजरात से किसी ब्रेनडेड व्यक्ति का हार्ट तमिलनाडु ले जाया गया है। हार्ट दान के निर्णय से अब सूरत के परिमल भावसार का दिल यूएई की 14 साल की किशोरी खादीजा अब्दुल्ला ओबैदल्ला में धड़केगा। डोनेट लाइफ के प्रमुख नीलेश मांडलेवाला ने बताया कि जहांगीरपुरा की श्रीजर सोसायटी निवासी और नगर प्राथमिक स्कूल की शिक्षिका [illegible] भावसार के पति

भारतीय मरीज नहीं मिलने से विदेशी मरीज में ट्रांसप्लांट का निर्णय

नीलेश मांडलेवाला ने बताया कि ब्रेनडेड के बाद चार घंटे में यह ट्रांसप्लांट हो जाना चाहिए। इस लिए परिमलभाई के परिजनों के अंगदान के निर्णय के बाद पहले उन्होंने अहमदाबाद के स्टर्लिंग अस्पताल और सीआईएमएस अस्पताल से संपर्क किया, लेकिन वहां हार्ट ट्रांसप्लांट का मरीज उपलब्ध नहीं था। इसके बाद मुंबई जेडटीसीसी के ट्रांसप्लांट को-ऑर्डिनेटर उर्मिला से संपर्क किया, लेकिन वहां भी मरीज नहीं होने की जानकारी मिलने पर नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन के निदेशक डॉ. विमल भंडारी से संपर्क किया गया। उन्होंने भी दिल्ली में ए पॉजिटिव ब्लडग्रुप का मरीज नहीं होना बताया। बाद में तमिलनाडु के नेशनल नेटवर्क ऑफ ऑर्गन शेयरिंग को-ऑर्डिनेटर अंजना से संपर्क किया गया। अंजना ने बताया कि यहां हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए भारतीय मरीज नहीं है, लेकिन यूएई की निवासी एक 14 साल की किशोरी चेन्नई के फोर्टिस मलार अस्पताल में भर्ती है। विदेशी नागरिक होने को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई, लेकिन सभी के प्रयासों के बाद नोटो के निदेशक ने इसके लिए मंजूरी दे दी और हार्ट खादीजा में ट्रांसप्लांट किया गया।

परिमल ने 2 मार्च की सुबह उल्टी से सिर में दर्द की शिकायत की और सो गए, लेकिन जब कुछ देर बाद उन्हें जगाने की कोशिश की तो वह नहीं उठे। परिजनों ने उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती करवाया। सीटी स्कैन की रिपोर्ट में उनके दिमाग की नस फटने की हकीकत सामने आई। शुक्रवार को चिकित्सकों ने उन्हें ब्रेनडेड घोषित कर दिया। इसके बाद परिजनों से मुलाकात कर उन्हें अंगदान के लिए समझाया तो परिजन अंगदान के लिए तैयार हो गए। इसके बाद किडनी और लीवर के दान के लिए अहमदाबाद के इंस्टीट्यूट ऑफ किडनी डिसीज एण्ड रिसर्च सेंटर और हार्ट के दान के लिए चेन्नई की फोर्टिस मलार अस्पताल की चिकित्सा टीम शनिवार तड़के चेन्नई से सूरत पहुंची और परिमल के हार्ट का दान स्वीकार कर सुबह आठ बजे चेन्नई जाने के लिए रवाना हुई। 155 मिनट में टीम चेन्नई पहुंच गई और हार्ट यूएई निवासी 14 वर्षीय खादीजा अब्दुल्ला ओबैदल्ला में ट्रांसप्लांट किया गया।

प्रशासन का रहा सहयोग

सूरत से हार्ट ले जाकर तमिलनाडु में ट्रांसप्लांट करने में स्थानीय पुलिस प्रशासन और एयरपोर्ट अथॉरिटी तथा चिकित्सकों का सहयोग रहा। नाइट लैन्डिंग और टेक ऑफ की सुविधा नहीं होने के बावजूद तड़के साढ़े तीन बजे सूरत एयरपोर्ट अथॉरिटी के निदेशक प्रमोदकुमार ने लैन्डिंग की मंजूरी दी। वहीं अस्पताल से एयरपोर्ट तक हार्ट ले जाने के लिए शहर पुलिस आयुक्त राजीव शर्मा की ओर से ग्रीन कॉरिडोर उपलब्ध करवाया गया।

सूरत से चेन्नई हार्ट ट्रान्सप्लान्ट का पहला मामला

155 मिनट में 1615 किलोमीटर दूर पहुंचाया जिंदा दिल

हार्ट ट्रान्सप्लान्ट की गतिविधियां

સુરતથી પહેલીવાર હાર્ટને 1615 કિ.મી. દૂર ચેન્નાઇ માત્ર 155 મિનિટમાં પહોંચાડાયુ

બ્રેઇનડેડ પતિ પરિમલ ભગતના અંગોનું ડોનેટ લાઇફની મદદથી દાન કરી પત્ની જાગૃતિએ ત્રણ વ્યક્તિઓને નવજીવન અપાવ્યું

સુરતથી 1615 કિમીનું અંતર 155 મિનિટમાં કાપ્યું, ધર્મના વાડા ઓળંગી હૃદયને ચેન્નઈ ટ્રાન્સફર-ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

સુરતના હિન્દુ યુવકનું હૃદય UAEની મુસ્લિમ કિશોરીમાં ધબકશે

સુરતના હિન્દુ યુવકનું હૃદય ધબકતું કરાયું

19 માસમાં સુરતમાંથી હૃદયદાનનો ... કિસ્સો

ગ્રીન કોરિડોર કરી ધબકતું હૃદય ચેન્નઈ ખાતે મોકલાયું

મહાદાન | સુરતના પરિમલભાઈનું હૃદય એવન્નારઆઈ કિશોરીમાં ધબકતુ કરાયું

હૃદય ૧૬૧૫ કિ.મી.નું અંતર કાપી ૧૫૫ મિનીટમાં પહોચ્યું તામિલનાડુ

સુરતના બ્રેઈનડેડ વેપારીના હૃદયથી યુએઈની મુસ્લિમ દીકરીને નવજીવન

સુરત.તા.૨

[illegible]

ફરસાણના ડિસ્ટ્રિબ્યુટર પરિમલ ભગત માથામાં દુઃખાવા બાદ બ્રેઈનડેડ થયા હતા : સુરતથી ૧૫૫ મિનિટમાં હૃદયને ચેન્નઈ પહોંચાડાયું

૧૫૫ મિનિટમાં ૧૬૧૫ કિમી અંતર કાપી હાર્ટ ચેન્નાઈ પહોંચાડાયું

સુરતના યુવાનનું હાર્ટ ચેન્નાઈમાં UAEની તરુણીમાં સફળતાપૂર્વક ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

» ગુજરાતમાંથી તામિલનાડુમાં હાર્ટ ટ્રાન્સપ્લાન્ટનો પ્રથમ કિસ્સો

સુરત : સુરતમાં અંગદાનની પ્રવૃત્તિમાં આવેલી જાગૃતિને પગલે રાજ્યમાંથી તામિલનાડુમાં હાર્ટ ટ્રાન્સફર અને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવાનો પ્રથમ કિસ્સો બન્યો છે. ૧૫૫ મિનિટમાં ૧૬૧૫ કિમી અંતર કાપીને સુરતના યુવાનનું હાર્ટ ચેન્નાઈની હોસ્પિટલમાં પહોંચાડી યુએઈની તરુણીમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. કરસાણની એજન્સી ચલાવતા આ યુવાનના અંગદાનથી આ તરુણી સહિત ત્રણ જણાને નવજીવન મળ્યું છે.

પ્રાપ્ત માહિતી મુજબ ઓલપાડ રોડ, જહાંગીરપુરા સ્થિત શ્રીજી સોસાયટીમાં રહેતા પરિમલભાઈ મુળજી ભગત (ઉ.વ. ૪૩) અડાજણમાં સેન્ટ્રલ પ્રિન્ટિંગ બ્યુરો નામથી કરસાણની એજન્સી ચલાવતા હતા. જ્યારે તેમની પત્ની જાગૃતિબેન નગર પ્રાથમિક શિક્ષણ સમિતિની શાળા નં. ૨૮૫માં શિક્ષિકા છે. જોડિયા બાળકી રિદ્ધિ અને સિદ્ધિ (ઉ.વ.૭) સાથેના આ સુખી પરિવારને કોઈની નજર લાગી હોય તેમ ગત તા. ૨૭એ પરિમલભાઈને ચડેલો માથાનો દુખાવો મોટી આફત બનીને આવ્યો હતો. તેમને ચિકસ લગાડી માથા પર રૂમાલ બાંધી જાગૃતિબેન સૂવા ગયા બાદ તેમની તબિયત વધુ બગડી ગઈ હતી. ત્યારબાદ તેમને અડાજણની હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતા જ્યાં ગઈકાલે તબીબોએ તેમને બ્રેઈનડેડ ઘોષિત કર્યા હતા. હોસ્પિટલ તરફથી ડોનેટ લાઈફના નિલેશ માંડલેવાલાને જાણ કરાતા તેઓ ટીમ સાથે દોડી આવ્યા હતા. જાગૃતિબેન સહિતના પરિવારને અંગદાનનું મહત્ત્વ સમજાવ્યું હતું. પરિવારે સંમતિ આપતા હાર્ટ અને કિડનીનું દાન લેવાનો નિર્ણય લેવાયો હતો.

હાર્ટ ડોનેટ કરવા ગુજરાત, મહારાષ્ટ્ર, દિલ્હી અને તામિલનાડુમાં સંપર્ક કરાયો

નિલેશ માંડલેવાલાએ જણાવ્યું હતું કે, કિડની માટે IKDRCની ટીમને આવવા જણાવાયું હતું. જ્યારે હાર્ટ માટે અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં દર્દી ન હોવાને કારણે મુંબઈ ઝોનલ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કોઓર્ડિનેશન કમિટી (ZTCC) સંપર્ક કરાયો હતો. પરંતુ ત્યાં પણ એ પોઝિટિવ ગ્રુપનો દર્દી નહીં મળતા આખરે દિલ્હી સ્થિત નેશનલ ઓર્ગન એન્ડ ટીસ્યુ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ઓર્ગેનાઈઝેશનને જાણ કરાઈ હતી. ત્યારબાદ તામિલનાડુના નેશનલ નેટવર્ક એન્ડ ઓર્ગન શેરિંગ કો-ઓર્ડિનેટરના સંપર્ક બાદ ચેન્નાઈની હોસ્પિટલમાં સુરેશની સારવારમાં ૧૪ વર્ષીય કુમારી ખદીજા અબ્દુલ્લા આબિદાલાને આ હાર્ટ આપી એક માનવીનું જીવન બચાવવાનું ભગીરથ કાર્ય કરવાનું નક્કી કરાયું હતું. ગુજરાત, મહારાષ્ટ્ર, દિલ્હી અને તામિલનાડુમાં એ પોઝિટિવ ગ્રુપનો ભારતીય દર્દી નહીં મળતાં કાયદાકીય પ્રક્રિયા કરી વિદેશી નાગરિકને હાર્ટ આપવાનું નક્કી કરાયું હતું.

અને ૧૨ કલાક બાદ સફળ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ શક્ય બન્યું

ગઈકાલે સવારે ૯:૩૦ વાગે બ્રેઈનડેડ જાહેર કરાયેલા પરિમલભાઈનું હાર્ટ આજે બપોરે સવા એક વાગે ચેન્નાઈની હોસ્પિટલમાં કુમારી ખદીજાને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. સુરત એરપોર્ટ ઉપર મધરાતે ૩:૩૦ વાગે લેન્ડિંગની પરવાનગી આપી એરપોર્ટ ઓથોરિટીએ સહકાર આપ્યો હતો. જ્યારે શહેર પોલીસે ગ્રીન કોરિડોરની વ્યવસ્થા કરી મોટી રાહત આપી હતી. ફક્ત ૧૫૫ મિનિટમાં ૧૬૧૫ કિમી અંતર કાપી ચેન્નાઈની હોસ્પિટલમાં હાર્ટ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. ડોનેટ લાઈફ દ્વારા ૧૯૯ કિડની, ૭૭ લિવર, ૪ પેન્ક્રિયાસ, ૯ હાર્ટ અને ૧૬૬ ચક્ષુનું દાન મેળવી ૪૫૫ લોકોને નવું જીવન અને રોશની આપી છે.

UAEની ૧૪ વર્ષની તરુણી ખાદીજાના શરીરમાં સુરતીનું હૃદય ધબકતું કરાયું

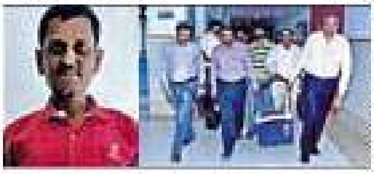

સુરતની શિક્ષિકાના બ્રેઈનડેડ પતિન પરિમલભાઈનું હૃદય ૧૬૧૫ કિ.મી દૂર ચેન્નાઈ ૧૫૫ મિનિટમાં પહોંચાડી તરુણીને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

---

૧૫૫ મિનિટમાં ૧૬૧૫ કિમીનું અંતરકાપી હૃદયને ચેન્નાઈ મોકલાયું

સુરતના બ્રેનડેડ જાહેર થયેલ પરિમલ ભગતના હૃદયે યુએઈની ખદીજાને નવજીવન બક્ષ્યું

માનવતા મહેંકી

દેશમાં બે લાખને કિડનીની જરૂર સામે માત્ર ૪ હજાર લોકોમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ

જહાંગીરપુરાના બ્રેઈનડેડ પરિમલ ભગતનું હૃદય યુએઈની ૧૪ વર્ષીય તરુણીમાં ધબકતું કરાયું

સુરત, તા. ૪

સુરતની ડોનેટ લાઈફ સંસ્થા દ્વારા હંમેશા સેવાનું કાર્ય કરવામાં આવે છે. બ્રેઈનડેડ વ્યક્તિના અંગદાન થકી બીજા અનેક લોકોને નવું જીવન બક્ષવામાં આ સંસ્થાનો સિંહફાળો રહ્યો છે, ત્યારે ફરી એક વખત ડોનેટ લાઈફની ટીમે સુરતના એક બ્રેઈનડેડ વ્યક્તિનું હૃદય માત્ર 155 મિનિટમાં 1615 કિલોમીટરનું અંતર કાપીને ચેન્નાઈ મોકલી, માત્ર 14 વર્ષની તરુણીના શરીરમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરીને તેને નવું જીવન આપ્યું હતું.

અડાજણ વિસ્તારમાં ક્ષેત્રપાળ ડિસ્ટ્રીબ્યુટર્સના નામથી ફરસાણની એજન્સી ધરાવતા પરિમલ મુળજીભાઈ ભગત (ઉ.વ. 43) જહાંગીરપુરાની શ્રીધર સોસાયટીમાં રહે છે અને મૂળ છોટા ઉદેપુરના તાંદલજા ગામના વતની છે. ગઈકાલે તેમને માથામાં દુખાવો થયો હતો તે પછી તકલીફ વધતા એમ્બ્યુલન્સ દ્વારા તેમને તાત્કાલિક બીએપીએસ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરવામાં આવ્યા હતાં, જ્યાં તબીબોએ તેમની ટ્રીટમેન્ટ કરી હતી અને પછી આજે પરિમલભાઈને બ્રેઈનડેડ જાહેર કરવામાં આવ્યા હતાં.

ડોનેટલાઈફ સંસ્થાને આ અંગે જાણ કરાતાં ડોનેટલાઈફના નિલેશ માંડલેવાલાએ પરિમલ ભગતના પરિવારજનોને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવ્યું હતું. પરિમલ ભગતના પત્ની જાગૃતિબેને સંમતિ આપી. પછી બીજા અંગો ઉપરાંત તેમનું હૃદયનું દાન લઈને તેને ઝડપથી ચેન્નાઈ પહોંચાડવું જરૂરી હતું. ચેન્નાઈ તામિલનાડુમાં આવેલી ફોર્ટિસ હોસ્પિટલમાં યુએઈની વતની 14 વર્ષની તરુણી ખદીજા અબ્દુલ્લાને હૃદયની જરૂરિયાત હતી, નાટો તરફથી વિદેશી વ્યક્તિને હૃદય આપવાની મંજૂરી મળતાં જ ગ્રીન કોરિડોર તૈયાર કરીને ફોર્ટિસ હોસ્પિટલના તબીબો સુરત આવીને માત્ર 155 મિનિટમાં 1615 કિ.મી.નું અંતર કાપી હૃદય ચેન્નાઈ લઈ ગયા હતાં અને 14 વર્ષની ખદીજા અબ્દુલ્લાના શરીરમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કર્યું હતું.

ડોનેટ લાઈફને અંગદાની વધુ એક સફળતાઃ ચેન્નાઈની હોસ્પિટલ સુધી ગ્રીન કોરિડોર તૈયાર કરી ૧૫૫ મિનીટમાં ૧૬૧૫ કિ.મી. દૂર પહોંચાડાયું

UAEની બાળકીમાં ધબકી ઉઠ્યું સુરતનાં યુવાનનું હૃદય !

એરપોર્ટ ઓથોરિટીએ સુરતમાં નાઇટ લેન્ડીંગની પરમિશન આપી

૧૫૫ મિનિટમાં સુરતથી ચેન્નાઇ પહોંચાડાયું ધબકતું હૃદય

(જુઓ પાનું ૧૦)

યુવાનનું હૃદય